भाग्यं भवति कर्मणा

मासिक राशिफलमाह–जुलाई 2012

प्रातः कालीन ग्रह स्थिति 01.07.2012

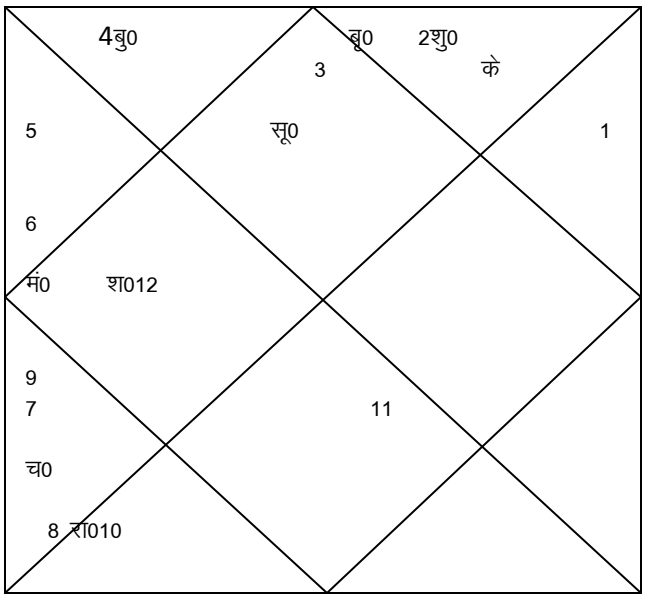

मेष–चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ

खर्च के अतिरिक्त श्रोतों को निर्धारण मानसिक तनाव की रुपरेखा निर्धारित करेगा। विरोधियों की सक्रियता पर दबाव बनाये रखने की रणनीति कारगर सिद्ध हो सकती है बातचीत मे आपकी सजगता पारिवारिक सदस्यों से बेहतर सामन्जस्य की भूमिका अदा करेगी। माह का प्रथम सप्ताह धनागम तथा राजकीय कार्यों के लिये बेहतर होगा। तारीख 1, 2, 3, 4, 5, 8, 9, 10 शुभ है।

वृष– ई, ऊ, ऐ, ओ, वा, वी, वू, वे, वो

किसी न किसी प्रकार के मानसिक असंतोष का सामना करना पड़ सकता है। संतान पक्ष का स्वास्थ्य चिन्तित करेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं के परिणाम आंशिक लाभप्रद प्रतीत होंगे। खान–पान व्यवस्था मे अतिरिक्त संसाधन एकत्रित होते रहेंगे। जीवन साथी के साथ घर ग्रहस्थी सम्बन्धी कामकाज धीरे–धीरे चलते प्रतीत होंगे। व्यवसायिक क्रिया कलाप

अल्प लाभ की ओर संकेत करते हैं। तारीख 4, 5, 6, 7, 10, 11, 12 प्रगति कारक सिद्ध होगी।

मिथुन– का, की, कू, के, को, हा, ध, ण, छ

किसी व्यवसायिक यात्रा के अवसर सार्थक सिद्ध होंगे। आडम्बर विहीन धार्मिकता के ही मानसिक रुप से पक्षधर रहेंगे। राजद्वारीय मामलों मे आंशिक सफलता का वातावरण बनेगा। सौन्दर्य प्रसाधन सामग्री की खरीद फरोख्त पर व्यय अधिकतम सीमा रेखा पार करेगा। जीवन संगिनी के साथ सप्ताह की शुरुआत मे बेहतर सामन्जस्य स्थापित रहेगा। ईश्वर अराधना रुचिकर प्रतीत होगी। तारीख 5, 6, 7, 8, 9, 13, 14, 15 उत्तम है।

कर्क–ही, हू, हे, हो, डा, डू, डे, डो

राजनैतिक और कूटनीतिक व्यक्तियों के साथ बेहतर सामन्जस्य स्थापित होंगे। विरोधियों का रचनात्मक विरोध मे भी परिवर्तनशीलता प्रतीत हो सकती है। साहसिक कार्यक्रमों को गतिशील बनाये रखने के प्रयास सार्थक सिद्ध होंगे। आय और व्यय मे कठिनाइयों के साथ सन्तुलन स्थापित रहेगा। अनायास हास–परिहास तथा भोग विलास की स्थितियां भी आयेंगी। किसी गीत–संगीत, मांगलिक कार्यक्रम मे आपकी शानदार भागीदारी सुनिश्चित होगी। दूसरों की शिकायत करने की मानसिकता पर अंकुश लगाये रखना आपके लिये हितकर सिद्ध होगा। तारीख 1, 2, 3, 7, 8, 9, 10, 11, 12 शुभ है।

सिंह–मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे

कठोरतम भाषा शैली का प्रयोग पारिवारिक तनाव का माहौल बना सकता है। आपको बिना किसी कारण अपयश की स्थितियों का सामना करना पड़ेगा। हास–परिहास मनोरंजन आदि के संसाधन बढ़ाने के प्रयास सार्थक सिद्ध होंगे। महिला मित्र मन्डली की सहयोगी भावना के चलते राजद्वारीय मामलों मे प्रगति पथ निर्धारित होंगे। साहसिक कार्यों मे आपकी संलग्नता लगातार बढ़ती प्रतीत होगी। मानसिक रुप से किसी भी विगड़ते कार्यों मे दण्डात्मक कार्यवाही के ही पक्षधर होंगे। तारीख 3, 4, 5, 10, 11, 12, 13, 14 शुभप्रद है।

कन्या–टो, पा, पी, पू, पे, पो, ष, ण, ठ

किसी धार्मिक अध्यात्मिक क्रिया कलाप मे आपकी भागीदारी समाज मे अच्छा असर डाल सकती है ग्रहस्थ जीवन मे ग्रहिणी के साथ तीखी, मीठी, नोंकझोंक का सामना करना पड़ेगा। दौड़धूप के अधिकाधिक प्रकरण शारीरिक कष्ट की ओर संकेत करते हैं। अति युवा तथा अति वृद्ध व्यक्तियों के साथ जन सम्पर्क बढ़ता प्रतीत होगा। रक्तचाप, गैस, रुधिर विकास आदि सावधानी बरतना हितकर सिद्ध होगा। तारीख 5, 6, 7, 12, 13, 14, 15, 16 उत्तम सूचक प्रतीत होंगी।

तुला–रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, ते

अनैतिक व्यक्तियों का साथ आपको निरर्थक खर्च तथा मानसिक तनाव की ओर अग्रसर कर सकता है। उच्च शिक्षा सम्बन्धी कार्यक्रमों मे सरलता के सथ लाभान्वित होंगे। मित्रों सहयोगियों से मिलता आपेक्षित सहयोग सामाजिक ख्याति वृद्धि के सूचक सिद्ध हो सकते है। यातायात के नियमों का पालन करना आप के लिये बेहद हितकर होगा। ईश्वर अराधना के प्रति उदासीनता आपको स्वंय प्रतीत होगी। आवेश मे आकर लिये गये निर्णय स्वजनों प्रियजनों से विरोध की रुपरेखा बनायेंगे। तारीख 7, 8, 9, 15, 16, 17, 18 19 प्रगतिकारक है।

वृश्चिक – तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू

बातचीत मे वाचालता की समाविष्टि रहेगी। व्यवसायिक कार्य योजनाओं को विस्तार रुप देने की दिशा मे सकारात्मक सोच मे इजाफा होगा। गृहिणी की क्रोध करने की प्रवृति आपको ममहित कर सकती है। संतान पक्ष की ओर से सुखद समाचार प्राप्त होगा। भूमि मकान सम्बन्धी क्रय विक्रय मामलों मे लाभान्वित होते प्रतीत होंगे। विपक्षियों पर स्थायी रुप से दबाव स्थापित करने मे कामयाब रहेंगे। माह का दूसरा सप्ताह आपके लिये अति उत्तम प्रतीत हो सकता है। तारीख 1, 2, 7, 8, 9, 10, 11, 12 उन्नतिकारक सिद्ध होगी।

धनु– ये, यो, भा, भी, भू, ध, फ, भे, द

भोजन व्यवस्था को विस्तार रुप दे सकते हैं। राज्यधिकारियों के प्रति मानसिक असंतोष शब्दों के रुप मे वाणी के माध्यम से बाहर आयेगी। किसी गम्भीर विषय पर आपका मनन, चिन्तन, अध्ययन आदि की रुपरेखा निर्धारित होगी। अनायास अनैतिक सोच वाले व्यक्तियों के चलते मानसिक तनाव भी बढ़ सकता है। धार्मिक मामलों मे आडम्बर

विहीन धार्मिकता का पक्ष ही रुचिकर प्रतीत होगा। शेयर, मार्केट, सट्टा आदि पूंजी निवेश का सही वक्त अभी नही है। तारीख 3, 4, 5, 11, 12, 13, 14, 15 शुभ सूचक सिद्ध होगी।

मकर– भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी

पुत्र, पुत्री आदि के प्रति आपके पाठन कार्यक्रमों मे आशानुकूल सफलता प्राप्त होगी। अचानक पेट सम्बन्धी रोगों की स्थितियों का सामना करना पड़ेगा। जीवनसाथी की सहयोगी भावना आपको ग्रहस्थ आश्रम क्षेत्र मे प्रभावित करेगा। राजद्वारीय मामलों मे आपकी प्रभावशाली भूमिका आपकी ख्याति वृद्धि की कारण बनेगी। धार्मिक आस्था अनास्था मे परिवर्तित होगी। व्यय अनियन्त्रित प्रतीत होगा। तारीख 1, 2, 3, 5, 6, 7, 15, 16, 17 प्रगति सूचक है।

कुम्भ– गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, द

संगीत के क्षेत्र मे आपकी कार्ययोजनायें विस्तार रुप ले सकती है। पीठ दर्द और मौसम सम्बन्धी रोगों का सामना करना पड़ेगा। सच और झूठ की कसौटी पर आय सत्य की ओर ही मानसिक रुप से अग्रसर होंगे। न्यायालय तथा कोर्ट कचेहरी सम्बन्धी कामकाज की गति धीमी प्रतीत होगी। सामाजिक संरचना निर्माण सम्बन्धी क्रिया कलाप आपको सामाजिक ख्याति की ओर अग्रसर करेंगे। किसी भी मामले मे पराजय को जय मे परिवर्तित करने की क्षमता आपके पास मौजूद रहेगी। तारीख 3, 4, 5, 7, 8, 9, 15, 16, 17 उत्तम है।

मीन–दी, दू, दे, दो, थ, झ, अ, चा, ची

व्यापार मे किसी भी किस्म का अतिरिकत पूंजी निवेश तथा अनियन्त्रित रहेगी। शासन तथा प्रसासन सम्बन्धी कामकाज सप्ताह की शुरुआत मे सरलता से सम्पन्न होंगे। स्त्री पक्ष तथा युवा वर्ग का आशानुकूल सहयोग और समर्थन मिलता रहेगा। ग्रहस्थ जीवन के बिगड़ते माहौल को समझदारी के साथ नियन्त्रित करना अति आवश्यक है। दौड़धूप के अतिरिक्त प्रसंगो की अधिकता शारीरिक एवं मानसिक तनाव के मार्ग प्रसस्त करेगी। तारीख 5, 6, 7, 10, 11, 12, 17, 18, 19 प्रगति कारक है।

माह के व्रत, पर्व और त्यौहार

1. प्रदोष त्रयोदशी व्रतम्, शाकंव्रतारम्भः, चातुर्मास व्रत यमनियमारम्भः, श्रीकृष्ण द्वादशी वामन पूजा – 01 जुलाई, रविवार।
2. श्री शिवशयन चतुर्दशी (उड़ीसा) श्री शिव शयनोत्सव, चौमासी चौदस जैन – 02 जुलाई, सोमवार।
3. स्नान दान व व्रत की पूर्णिमा, गुरु पूर्णिमा, कोकिला व्रत पूर्णिमा, मेला ज्वाला मुखीर (काश्मीर) – 03 जुलाई, मंगलवार।
4. अशून्य शयन द्वितीया व्रत मे शबे–बरात – 05 जुलाई, बृहस्पतिवार।
5. रात्रि मे 02 बजकर 10 मिनट से पंचक प्रारम्भ, श्री संकष्ठी गणेश चतुर्थी व्रतम् – 07 जुलाई, शनिवार।
6. रात्रि मे 07 बजकर 12 मिनट पर पंचक समाप्ति, मन्वादि अष्टमी – 11 जुलाई, बुधवार।
7. कामदा एकादशीव्रतम्, स्मार्ता नाम – 14 जुलाई, शनिवार।
8. कामदा एकादशी व्रतम वैष्णवा नाम – 15 जुलाई, रविवार।
9. सोम प्रदोष त्रयोदशी व्रतम् सर्वार्थ मृत सिद्ध योग, समस्त दिन – 16 जुलाई, सोमवार।
10. मास शिवरात्रि चतुर्दशी व्रतम्, भौमव्रत, दुर्गा यात्रा व हनुमत दर्शन – 17 जुलाई, मंगलवार।
11. श्राद्ध की अमावस्या – 18 जुलाई, बुधवार।
12. स्नान दन की अमावस्या, पिठौरा व्रत अमावस्या, पुष्कर पर्व अमावस्या, हरियाली अमावस्या, सर्वार्थ सिद्ध योग समस्त दिन – 19 जुलाई, बृहस्पतिवार।
13. श्री धर्म सम्राट स्वामी करपात्री जी महाराज जयन्ती, रोजा प्रारम्भ – 21 जुलाई, शनिवार।
14. श्री बैनायकी गणेश चतुर्थी व्रतम् स्वर्ण गौरी तृतीया व्रतम्, हरियाली तृतीया, मधुश्रवा तृतीया, मिथिला व पश्चिम मे प्रसिद्ध, सुकृत व्रत – 22 जुलाई, रविवार।
15. नाग पंचमी, तक्षक पूजा पंचमी – 23 जुलाई, सोमवार।

16. कल्कि जयन्ती षष्ठी (सांयकाल) मंगला गौरी पूजा, लुण्ठन षष्ठी (बंगाल) – 24 जुलाई, मंगलवार।
17. शीतला सप्तमी, गोस्वामी तुलसी दास जयन्ती – 25 जुलाई बुधवार।
18. मनसा पूजा (बंगाल) दुर्गाष्टमी व्रतम – 26 जुलाई, गुरुवार।
19. कौमारी नवमी व्रतम् सप्त नवमी, नकुल नवमी, ठकुराइन जयन्ती – 27 जुलाई, शुक्रवार।
20. पुत्रदा एकादशी व्रतम्, सर्वेषाम, झलन यात्रारम्भः – 29 जुलाई, रविवार।
21. सोम प्रदोष त्रयोदशी व्रतम्, श्रावण मासीय सोमवार व्रत्, रवियोग रात्रि मे 12 बजकर 44 मिनट से प्रारम्भ – 30 जुलाई, सोमवार।

पं0 आनन्द अवस्थी : पटेल नगर कालोनी बछरावां,
रायबरेली डी–79, साउथ सिटी, लखनऊ, लखनऊ एम0बी0 नं0– 9450460208
Website-www.aarshjyotish.in, ----E-mail :
panditanandawasthi@aarshjyotish.in